

वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र : 2022-23
कक्षा – 8 (स्तर-2)
विषय – हिंदी

(वसंत भाग 3) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
पाठ 2 लाख की चूड़ियाँ (कामतानाथ)	कहानी / औद्योगिकीकरण परंपरागत ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के दिनानुदिन लुप्तप्राय होने के कारण पेशेवर कलाकारों की व्यथा का वर्णन	पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु कक्षा 6 संज्ञा: भेद एवं प्रयोग कक्षा 7 संज्ञा,भेद, पहचान एवं उदाहरण का. सं. 135A, 23 कक्षा 8 संज्ञा,भेद, पहचान एवं उदाहरण, आंचलिक शब्दों का उच्चारण, प्रयोग।	<ul style="list-style-type: none"> ● कहानी विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, ● परंपरागत परिवेश, वस्तुओं के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● लोगों के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, ● विभिन्न वस्तुओं के नाम और स्वरूप को गौर करेंगे, ● अपनी परंपरा और लघु कुटीर उद्योगों के प्रति संवेदनशील होंगे, ● परतंत्र भारत के निवासियों की पीड़ा और ब्रिटिश गुलामी से स्वतंत्रता की उत्कट अभिलाषा को जान सकेंगे, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे 	<ul style="list-style-type: none"> ● कार्यपत्रक सं. 1-4 ● कार्यपत्रक सं. 6-8 ● कार्यपत्रक सं. 9-11 ● वाद-विवाद : मशीनी युग का मानव जीवन पर प्रभाव

<p>पाठ. 3</p> <p>बस की यात्रा (हरिशंकर परसाई)</p>	<p>व्यंग्य / व्यंग्य</p> <p>व्यंग्य के माध्यम से व्यवस्था एवं परिस्थितियों पर टिप्पणी</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 भाषा और लिपि: पहचान कक्षा 7 भाषा और लिपि: प्रयोग</p> <p>कक्षा 8</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भाषा और लिपि – व्यंग्यात्मक भाषा ● विशेषण: पहचान, भेद, उदाहरण। ● पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु- ● गुणवाचक विशेषण ● श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द ● व्यंग्य पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> ● कहानी विधा से परिचित होंगे, ● आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● समाज में परंपरागत, वस्तुओं आदि के महत्त्व को अपने संदर्भ में अनुभव कर सकेंगे, ● व्यंग्य और व्यवस्था के रूप में यात्रा के माध्यम से बच्चों के लिए किस प्रकार से जानकारी एवं बोध की स्रोत होती हैं, इस तथ्य से अवगत हो सकेंगे, ● पारंपरिक रहन-सहन परम्परा, ● भावों- विचारों के आपसी आदान- प्रदान में समर्थ होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। 	<ul style="list-style-type: none"> ● कार्यपत्रक सं. 5-6 ● कार्यपत्रक सं. 13, 15 ● कार्यपत्रक सं. 17, 19, 21, 23 ● 'व्यवस्था के प्रति हमारा कर्तव्य' पर समूह चर्चा
<p>पाठ. 6</p> <p>भगवान के डाकिए (रामधारी सिंह दिनकर)</p>	<p>कविता/स्वतंत्रता</p> <p>प्रकृति के माध्यम से स्वतंत्रता की इच्छा को दर्शाने वाली कविता</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 लिंग, वचन: पहचान कक्षा 7 लिंग, वचन: भेद</p> <p>कक्षा 8</p> <ul style="list-style-type: none"> ● लिंग और वचन के अनुसार वाक्य में परिवर्तन का अभ्यास ● पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु- ● संचार के पारंपरिक और आधुनिक माध्यमों की प्रकृति और उपयोगिता पर अनुच्छेद लेखन/निबंध लेखन/चित्र वर्णन 	<ul style="list-style-type: none"> ● कविता विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, ● देश की सीमाओं से परे एकल-विश्व की अवधारणा से परिचित होंगे, ● भगवान के डाकिये के रूप में पक्षी और बादलों के कार्य और विशेषताओं से परिचित होंगे, ● पर्यावरण में पक्षी और बादलों के महत्त्व को जान सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, 	<ul style="list-style-type: none"> ● कार्यपत्रक सं. 18 ● डाक टिकट, पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र, लिफ़ाफ़ा आदि का संकलन और उसमें अपने सहपाठी को पत्र लेखन

<p>पाठ. 8</p> <p>यह सबसे कठिन समय नहीं (जया जादवानी)</p> <p>पहाड़ से ऊँचा आदमी (केवल पढ़ने के लिए)</p>	<p>कविता/ जीवन-संघर्ष</p> <p>जीवन के अनुभवों को नए परिवेश में ढालकर विद्यार्थियों को उससे परिचित कराना</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 मुहावरे: अर्थ</p> <p>कक्षा 7 मुहावरे: वाक्य प्रयोग का. सं. 12, 24, 34</p> <p>कक्षा 8</p> <ul style="list-style-type: none"> • मुहावरे : पाठ में आए मुहावरों का अर्थ एवं उनका वाक्य प्रयोग • पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु-योजक चिह्नों का प्रयोग • जीवन में आनेवाली चुनौतियों का सामना करने का उपाय बताते हुए मित्र/ छोटे भाई/ बहन को पत्र • जीवन-संघर्ष पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> • कविता/ शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • इस व्यवहार विषयक पाठ के माध्यम से समय और उसकी कठिनाई को जान सकेंगे, • वक्त के प्रयोग ,उसकी उपयोगिता और हमारे जीवन के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, • वक्त से जुड़े कई शब्द यथा- कठिनाई, संघर्ष, मानवीय चेतना आदि से परिचित होंगे, • वक्त की कमी से होनेवाली कठिनाइयों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, • समय और संघर्ष में आने वाली कमियों को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस तथ्य को जान सकेंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, 	<ul style="list-style-type: none"> • कार्यपत्रक सं. 20 • संघर्ष के माध्यम से विजय प्राप्त करनेवाले महापुरुषों का संक्षिप्त विवरण देते हुए सचित्र सूची बनाएँ
---	---	--	--	---

- उपरोक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।
- मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।
- दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है। ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।
- ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक “भारत की खोज” कक्षा-8 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं। गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।

मध्यावधि परीक्षा

(वसंत भाग 3) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
<p>पाठ.9</p> <p>कबीर की साखियाँ (कबीर)</p>	<p>साखियाँ / जीवन - मूल्य</p> <p>जीवन के विभिन्न अनुभव को लेकर कबीर दास द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रस्तुति</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 नए शब्द जोड़कर शब्द निर्माण</p> <p>कक्षा 7 उपसर्ग और प्रत्यय :पहचान</p> <p>कक्षा 8 उपसर्ग और प्रत्यय द्वारा नए शब्दों का निर्माण</p> <p>पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● देशज अथवा बोलचाल की भाषा में उच्चारण में अनुरूप वर्तनी परिवर्तन की समझ ● जीवन-मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> ● साखियाँ शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● आम जनों के प्रति संवेदनशील होंगे, ● आम जनों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना का सम्मान कर सकेंगे, ● अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार करेंगे, ● अन्य क्षेत्रों और भाषाओं के साहित्य और शब्दावलियों से परिचित होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, 	<ul style="list-style-type: none"> ● कार्यपत्रक सं. 22 ● कार्यपत्रक सं. 24 ● कबीर के दोहों के आधार पर प्रयोग किए गए शब्दों की सूची बनाना और उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी एकत्र करना। ● देशज शब्दों का उनके हिंदी मानक रूप के साथ सूची बनाएँ।

<p>पाठ.11</p> <p>जब सिनेमा ने बोलना सीखा (प्रदीप तिवारी)</p>	<p>निबंध/सिनेमा</p> <p>भारतीय सिनेमा के विकास की कहानी</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 उपसर्ग और प्रत्यय की पहचान काल की पहचान</p> <p>कक्षा 7 उपसर्ग और प्रत्यय का प्रयोग काल के अनुसार वाक्य प्रयोग</p> <p>कक्षा 8</p> <ul style="list-style-type: none"> उपसर्ग और प्रत्यय से शब्द निर्माण काल के अनुसार वाक्य परिवर्तन पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु- उपसर्ग और प्रत्यय का अभ्यास साहित्य और सिनेमा पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> निबंध विधा से परिचित होंगे आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, भारत में सिनेमा के प्रादुर्भाव,विशेषकर पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' की निर्माण प्रक्रिया से परिचित होंगे, फिल्म में अभिनय करने वाले कलाकार और फिल्म के निर्देशक से परिचित होंगे, साहित्य और समाज में सिनेमा के योगदान का अनुमान कर सकेंगे, सिनेमा निर्माण के आवश्यक घटकों जैसे पटकथा,संवाद,अभिनय,निर्देशन , तकनीक आदि पहलुओं से परिचित होंगे, पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे 	<ul style="list-style-type: none"> कार्यपत्रक सं. 29 कार्यपत्रक सं. 31 कार्यपत्रक सं. 33 अपनी पसंदीदा फ़िल्म की समीक्षा करते हुए सचित्र प्रस्तुति
<p>पाठ. 13</p> <p>जहाँ पहिया है (पी साईनाथ)</p>	<p>रिपोर्ताज/महिला सशक्तिकरण</p> <p>महिला सशक्तिकरण पर आधारित कहानी जिसमें विकास के क्रम में पहिए की उपयोगिता और उससे हुए परिवर्तन का वर्णन ।</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 उपसर्ग और प्रत्यय की पहचान</p> <p>कक्षा 7 उपसर्ग और प्रत्यय का प्रयोग</p> <p>कक्षा 8 उपसर्ग और प्रत्यय से शब्द निर्माण</p> <ul style="list-style-type: none"> आपने साईकिल चलाना कैसे सीखा ? का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर अनुच्छेद लेखन / निबंध लेखन/ चित्र वर्णन 	<ul style="list-style-type: none"> रिपोर्ताज विधा से परिचित होंगे, भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, पाठ में दिए गए कठिन शब्दों का अर्थ समझ सकेंगे, प्रत्येक अनुच्छेद में सन्निहित भाव एवं सीख से परिचित होंगे, यातायात के साधनों के विकास को जानने के प्रति जिज्ञासु होंगे । <p>पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे</p>	<ul style="list-style-type: none"> कार्यपत्रक सं. 30 कार्यपत्रक सं. 32, 34 कार्यपत्रक सं. 36, 39 यातायात के विभिन्न साधनों के बारे में समूह चर्चा

<p>पाठ.14</p> <p>अकबरी लोटा (अन्नपूर्णा वर्मा)</p>	<p>कहानी/व्यंग्य</p> <p>पात्रों के माध्यम से परतंत्रता के समय में अंग्रेजों के साथ हुई घटनाओं में से एक छोटी सी घटना को लेकर के उस समय की प्रवृत्तियों का चित्रण करना।</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 कारक चिह्न: पहचान</p> <p>कक्षा 7 कारक चिह्न : भेद</p> <p>कक्षा 8 कारक चिह्नों का वाक्य में प्रयोग का अभ्यास</p> <p>पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मुहावरे अर्थ और प्रयोग ● लोकोक्ति अर्थ और प्रयोग ● देश की मूलभूत समस्याओं पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> ● 'कहानी,' से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● सस्वर आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● सामाजिक परिवेश, मानवीय जिज्ञासाओं के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● लोगों के अचार विचार, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, ● विभिन्न आंचलिक वस्तुओं के नाम और स्वरूप को गौर करेंगे, ● मानवीयता के प्रति संवेदनशील होंगे, ● राष्ट्रीय परिवेश के बारे में अधिक जिज्ञासु होकर उनसे सम्बंधित जानकारियां एकत्रित कर सकते हैं, ● मनुष्य और परिस्थितियों के बीच के आपसी सम्बन्धों को जान सकेंगे, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा, 	<ul style="list-style-type: none"> ● कार्यपत्रक सं. 35 ● कार्यपत्रक सं. 38 ● कार्यपत्रक सं. 42 ● किन्हीं दस प्राचीन भारतीय वस्तुओं का संक्षिप्त विवरण देते हुए सचित्र प्रस्तुति
<p>पाठ. 15</p> <p>सूर के पद (सूरदास)</p>	<p>काव्य, पद/ वात्सल्य प्रेम</p> <p>वात्सल्य एवं प्रेम के विभिन्न भागों, बाल सुलभ क्रिया-कलापों को चित्रित करती सूरदास जी के पदावली के अंश की प्रस्तुति</p>	<p>पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु</p> <p>कक्षा 6 पर्यायवाची: पहचान</p> <p>कक्षा 7 पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग</p> <p>का. सं. 2, 30</p> <p>कक्षा 8 पर्यायवाची शब्दों की सूची</p> <p>पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पर्यायवाची शब्दों का अभ्यास ● वात्सल्य प्रेम पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> ● पद काव्य' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● सूर के पद के आधार पर जीवन, व्यक्तित्व, भक्ति और वात्सल्य के बारे में जान सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे 	<ul style="list-style-type: none"> ● कार्यपत्रक सं. 37 ● कार्यपत्रक सं. 39 ● सूरदास से संबंधित जानकारी एकत्र करते हुए समूह परियोजना के रूप में प्रस्तुति

- उपरोक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2023 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।
- वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।
- वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।
- दया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है। ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।
- ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "भारत की खोज" कक्षा-8 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं। गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।

वार्षिक परीक्षा